अनुसरण में इस सभा के सदस्य ऐसी रीति से जैसा अध्यक्ष निर्देश दें, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की शासी निकाय के सदस्यों के रूप में कार्य करने के लिए अपने में से दो सदस्य निर्वाचित करें।"

MR. SPEAKER: The question is:

"That in pursuance of Rules 20(16) and (17) and 24(2) of the Rules, Regulations and Bye-laws of the Indian Council of Medical Research, the members of this House do proceed to elect in such manner as the Speaker may direct, two members from among themselves to serve as members of the Governing Body of the Indian Council of Medical Research."

The motion was adopted.

14.51 hrs.

MULTI-STATE CO-OPERATIVE SOCIETIES BILL*

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION (SHRI MOHAN DHARIA): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to consolidate and amend the law relating to co-operative societies with objects not confined to one State and serving the interests of members in more than one State.

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to consolidate and amend the law relating to co-operative societies with objects not confined to one State and serving the interests of members in more than one State."

The motion was adopted.

SHRI MOHAN DHARIA: I introduce† the Bill.

14.52 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(1) ACUTE SHORTAGE OF POWER IN BIHAR

श्री युवराज (कटिहार) : अध्यक्ष महोदय, आज सारे बिहार में बिजली की आपूर्ति की कमी के कारण करोड़ों रुपये रोज की क्षति हो रही है। छोटे बड़े कारखानों के बन्द हो जाने से, पूरे वक्त तक कारखानों चालू नहीं रहने की वजह से एवं खेती के काम के लिए जो नलकूप लगे थे वह बिजली की आपूर्ति की कमी की वजह से बन्द हो जाने के कारण करोड़ों रुपए की रोज क्षति बिहार राज्य को हो रही है। बिहार में दो प्रमुख थर्मल पावर स्टेशन हैं—एक बरौनी और दूसरा पतरातू। बरौनी के थर्मल पावर स्टेशन की पांच यूनिट्स में से 15 मेगावाट की तीन यूनिटें बन्द हैं इसलिए कि जो कोयले की क्वालिटी है वह खराब है। जो 50 मेगावाट की एक यूनिट है उसकी टरबाइन की प्लेट टूट गई है और वह भी बहुत दिनों से बन्द है।

14.52½ hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

पतरातू की सात में से पांच यूनिट्स नवम्बर माह में बन्द थीं। 50 मेगावाट की जो यूनिट है वह पांच वर्षों से बन्द है जिसके टरबाइन रोटर, जेनरेटर सेन्टर खराब हो गए हैं। एक संयंत्र जिसकी उत्पादन क्षमता सौ मेगावाट है उसका ट्रांसफार्मर जल जाने की वजह से वह भी बन्द है। पांच सौ मेगावाट उत्पादन क्षमता वाले पतरातू बिजलीघर में सिर्फ सौ मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। बिहार को पांच सौ मेगावाट बिजली की आवश्यकता है। आगामी पांच वर्षों में 1200 मेगावाट बिजली की आवश्यकता होगी और 1990 तक 2200 मेगावाट बिजली की

---

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, section 2, dated 8-12-77.

†Introduced with the recommendation of the President.